पत्रांकः— 14/सी० 12—11/15 — 517
शिक्षा विभाग,
बिहार, पटना।

निबंधित/फैक्स

प्रेषक,

शिवेश रंजन,
विशेष कार्य पदाधिकारी, उच्च शिक्षा।

सेवा में,

कुलसचिव,
तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर।

पटना, दिनांक 01/4/2015

विषयः— बिहार विधान परिषद् के 179वें सत्र में डॉ० संजीव कुमार सिंह, स०वि०प० द्वारा पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या—एस०सी०—15 की कंडिकावार उत्तर सामग्री/प्रतिवेदन/पूरक सामग्री उपलब्ध कराने के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषयक बिहार विधान परिषद् के 179वें सत्र में डॉ० संजीव कुमार सिंह, स०वि०प० द्वारा पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या—एस०सी०—15 की छायाप्रति संलग्न करते हुए कहना है कि अनुलग्नक में अंकित तथ्यों पर सरकार की ओर से कंडिकावार उत्तर सामग्री/प्रतिवेदन/पूरक सामग्री विभाग को अविलम्ब विशेष दूत/फैक्स के माध्यम से उपलब्ध कराया जाय।

इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाय।

विश्वासभाजन

(शिवेश रंजन) 1/4/15
अवकाश रक्षित पदाधिकारी, उच्च शिक्षा

अनुलग्नकः—यथोक्त।

(1)

ज्ञापांक 1309(S) (प्र०)-वि०प०

बिहार विधान परिषद् सचिवालय

सेवा में

कला, संस्कृति एवं युवा विभाग

पटना, दिनांक 17.03.15

श्री डा० संजीव कु० सिंह ,स०वि० प० द्वारा बिहार विधान परिषद् के 179 वें सत्र में पूछा जानेवाला तारांकित प्रश्न संख्या एस०सी०-15 वित्त रूप में सभापति द्वारा स्वीकृत किया गया है संवेष्ठित है ।

इन तारांकित प्रश्नों को सदन के कार्यक्रम पर लाये जाने की तिथि शीघ्र ही सूचित की जायेगी।

अवर-सचिव,
बिहार विधान परिषद् ।

बिहार विधान परिषद् के 179 वाँ सत्र के लिए श्री डा० संजीव कुमार सिंह,स०वि०प० से तारांकित प्रश्न प्राप्त ।

एस०सी० 15 क्या मंत्री,कला संस्कृति एवं युवा विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या यह सही है कि तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय परिसर स्थित टिल्हा कोठी जो "रवीन्द्र भवन" के नाम से भी जाना जाता है यहाँ विभिन्न विषयों पर शोध कार्य संपादित हो रहे हैं ;

(ख) क्या यह भी सही है कि यह धरोहर कवि गुरू रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा गीतांजली की आंशिक रचना एवं वर्ष 1942 की भारत छोड़ो आन्दोलन से जुड़ा हुआ है ;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार इस समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को हेरिटेज के रूप में विकसित कर पर्यटन के मानचित्र पर लाना चाहती है,यदि हाँ तो कबतक और नहीं तो क्यों ?